

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, इलाहाबाद

प्राचीन भारतीय इतिहास (विषय कोड-31)

01. स्रोत :

पुरातत्वीय स्रोत

खोज उत्खनन, पुरालेखविधा, मुद्राशास्त्र, स्मारक

साहित्यिक स्रोत

स्वदेशी : प्राथमिक तथा गौण : काल-निर्धारण की समस्याएं, मिथक, आख्यान, काव्य, वैज्ञानिक साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य, धार्मिक साहित्य।

विदेशी विवरण : यूनानी, चीन तथा अरब लेखक।

02. प्रागैतिहास तथा आद्य इतिहास

मानव तथा पर्यावरण : भौगोलिक कारक, आखेट तथा संग्रह (पुरापाषाण तथा मध्यपाषाण); कृषि का प्रारम्भ (नव-पाषाण तथा ताम्र-पाषाण)

सिन्धु घाटी की सभ्यता : उद्गम, तारीख, विस्तार, लक्षण, पतन, उत्तरजीविता (अवशेष) तथा महत्व।

लौह युग; द्वितीय शहरीकरण।

03. वैदिक काल

प्रवास तथा बस्तियां; वैदिक काल-निर्धारण, साहित्यिक तथा पुरातत्वीय साक्ष्य; सामाजिक तथा राजनीतिक संस्थाओं का विकास; धार्मिक तथा दार्शनिक विचार, अनुष्ठान तथा पद्धतियां।

04. महाजनपद काल

राज्यों (महाजनपद) का निर्माण; गणराज्य तथा राजतंत्र; शहरी केन्द्रों का उदय; व्यापार-मार्ग; आर्थिक संवृद्धि; सिक्कों का प्रचलन; जैन धर्म और बौद्ध धर्म का विस्तार (फैलना); मगध तथा नन्दों का उदय।

ईरान तथा मेसेडोनीया के आक्रमण और उनका प्रभाव।

05. मौर्य साम्राज्य

मौर्य साम्राज्य की स्थापना, चन्द्रगुप्त, कौटिल्य तथा अर्थशास्त्र; अशोक; धर्म की संकल्पना; राजादेश; ब्राह्मी तथा खरोष्ठी लिपियां।

प्रशासन; अर्थव्यवस्था; वास्तुकला तथा मूर्तिकला; बाहरी सम्पर्क।

साम्राज्य का विघटन; शुंग तथा कण्व।

06. मौर्योत्तर काल (भारत-ग्रीक, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रप)

बाहरी दुनियां से सम्पर्क; शहरी केन्द्रों का विकास; अर्थव्यवस्था, सिक्का, धर्मों का विकास, महायान, सामाजिक दशाएं, कला तथा वास्तुकला, साहित्य तथा विज्ञान।

07. राज्य तथा समाज की प्रारम्भिक स्थिति – पूर्वी भारत, दक्कन तथा दक्षिण भारत में
खारवेल, सातवाहन, संगम युग के तमिल राज्य, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, भू-प्रदान, सिक्के, व्यापार संघ तथा शहरी केन्द्र, बौद्ध केन्द्र, संगम साहित्य तथा संस्कृति; कला तथा वास्तुकला।

08. गुप्त सम्राट तथा भारत के क्षेत्रीय राज्य

गुप्त और वाकटक, हर्ष, प्रशासन, आर्थिक स्थिति, गुप्त सम्राटों के सिक्के; भू-प्रदान, शहरी केन्द्रों का पतन, भारतीय सामन्तवाद, जातिप्रथा; महिलाओं की स्थिति, शिक्षा तथा शैक्षिक संस्थाएं –नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी, पड़ोसी देशों से सम्पर्क—मध्य एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया तथा चीन, संस्कृत साहित्य, वैज्ञानिक साहित्य, कला तथा वास्तुकला।
कदम्ब, गंग, पल्लव और बदामी के चालुक्य-प्रशासन, व्यापार संघ, संस्कृत साहित्य तथा क्षेत्रीय भाषाओं और लिपियों का विकास; वैष्णव और शैव धर्मों का विकास, तमिल भक्ति आन्दोलन;
शंकराचार्य— वेदान्त; मन्दिर तथा मन्दिर वास्तुकला की संस्थाएँ।
कामरूप के वर्मन; पाल और सेन, राष्ट्रकूट, प्रतिहार, कलचुरी के चेदि; परमार; गुजरात के चालुक्य; अरब के साथ सम्बन्ध; गजनवी विजय, अल्बरूनी।
कल्याण के चालुक्य, चोल, चेर, होसला, पांड्य : प्रशासन तथा स्थानीय सरकार, कला तथा वास्तुकला का विकास, धार्मिक पंथ (सम्प्रदाय), मन्दिर और मठ संस्था, अग्रहार, शिक्षा तथा साहित्य, अर्थव्यवस्था तथा समाज, श्रीलंका और दक्षिण-पूर्व एशिया से सम्पर्क।

09. इतिहास में अनुसंधान

इतिहास के क्षेत्र तथा मूल्य
इतिहास में वस्तुनिष्ठता तथा अभिनति
इतिहास और इसके सहायक विज्ञान
अनुसंधान का क्षेत्र—प्रस्तावित।
अनुसंधान के प्रस्तावित क्षेत्र में स्रोत—प्राथमिक/द्वितीयक
अनुसंधान के अनुसंधानकारी क्षेत्र में आधुनिक इतिहास लेखन।

U.P. HIGHER EDUCATION SERVICES COMMISSION, ALLAHABAD

ANCIENT INDIAN HISTORY

(Subject Code-31)

1- Sources :

Archaeological Sources

Exploration, excavation, epigraphy, numismatics, monuments

Literary Sources

Indigenous : Primary and Secondary – problems of dating, myths, legends, poetry, scientific literature, literature in regional languages, religious literature.

Foreign accounts : Greek, Chinese and Arab writers.

2- Pre-history and Proto-history

Man and Environment– geographical factors. Hunting and gathering (Paleolithic and Mesolithic).; Beginning of agriculture (Neolithic and Chalcolithic).

Indus Valley Civilization–origin, date, extent, characteristics, decline, survival and significance.

Iron age ; Second urbanisation.

3- Vedic Period

Migrations and settlements ; dating the Vedic – Literary and archaeological, evidences, evolution of social and political institutions ; religious and philosophical ideas, rituals and practices.

4- Period of Mahajanapadas

Formation of States (Mahajanapadas) ; Republics and Monarchies ; rise of urban centres ; trade routes ; economic growth ; introduction of coinage ; spread of Jainism and Buddhism ; rise of Magadha and Nandas.

Iranian and Macedonian Invasions and their impact.

5- Malayan Empire

Foundation of the Mauryan Empire, Chandragupta, Kautilya and Arthashastra ; Ashoka ; Concept of Dharma ; Edicts ; Brahmi and Kharosthi scripts.

Administration ; economy ; architecture and sculpture ; external contacts.

Disintegration of the empire ; Sungas and Kanvas.

6- Post – Mauryan Period (Indo – Greeks, Sakas, Kushanas, Western Kshatrapas)

Contact with outside world ; growth of urban centres, economy, coinage, development of religions, Mahayana, social conditions, art and architecture, literature and science.

7- Early state and society – in Eastern India, Deccan and South India

Kharavela, The Satavahanas, Tamil States of the Sangam Age. Administration ; economy, land grants, coinage, trade guilds and urban centres, Buddhist centres, Sangam literature and culture; art and architecture.

8- Imperial Guptas and Regional States of India

Guptas and Vakatakas, Harsha, Administration, economic conditions, coinage of the Guptas, land grants, decline of urban centres, Indian feudalism, caste system, position of women, education and educational institutions – Nalanda, Vikramshila and

Vallabhi, contact with neighbouring countries – Central Asia, South – East Asia and China, Sanskrit literature, scientific literature, art and architecture.

The Kadambas, Gangas, Pallavas and Chalukyas of Badami – Administration, trade guilds, Sanskrit literature and growth of regional languages and scripts; growth of Vaishnava and Saiva religions. Tamil Bhakti Movement, Shankaracharya – Vedanta; Institutions of temple and temple architecture.

Varmanas of Kamrup ; Palas and Senas, Rashtrakutas, Pratiharas, Kalachuri – Chedis ; Paramaras ; Chalukyas of Gujarat. Arab contacts – Ghaznavi Conquest, Alberuni.

The Chalukyas of Kalyana, Cholas, Cheras, Hoysalas, Pandyas – Administration and local Government, growth of art and architecture, religious sects, Institution of temple and Mathas, Agraharas, education and literature, economy and society, contact with Sri Lanka and South – East Asia.

9- Research in History

Scope and value of History

Objectivity and Bias in History

History and its auxiliary sciences

Area of research- proposed

Sources- primary/secondary in the proposed area of research

Modern Historical Writing in the Researcher's area of research